पाठ 44

1. जकर्याह का क्या हुआ जब वह मन्दिर में था?

-जकर्याह को परमेश्वर का एक दूत दिखाई दिया।

2. स्वर्गदूत ने जकर्याह से क्या कहा?

-स्वर्गदूत ने कहा कि परमेश्वर जकर्याह को एक पुत्र देने जा रहा है, और उसका नाम यूहन्ना होगा।

3. तब स्वर्गदूत ने पुत्र के विषय में क्या कहा कि परमेश्वर जकर्याह को देने जा रहा है?

-स्वर्गदूत ने कहा कि जकर्याह का पुत्र, यूहन्ना, लोगों को आने वाले उद्धारकर्ता के लिए तैयार करेगा।

4. स्वर्गदूत ने आने वाले उद्धारकर्ता को क्या कहा?

-परमेश्वर।

5. प्रभु कौन है?

-परमेश्वर।

6. स्वर्गदूत ने मरियम से क्या कहा?

-देवदूत ने मैरी से कहा कि परमेश्वर ने उसे आने वाले उद्धारकर्ता को जन्म देने के लिए चुना है।

7. मरियम के पुत्र का क्या नाम होना था?

-यीशु।

8. "यीशु" नाम का क्या अर्थ है?

-"यीशु" नाम का अर्थ उद्धारकर्ता या उद्धारकर्ता है।

9. स्वर्गदूत का क्या अर्थ था कि मरियम का पुत्र परमप्रधान का पुत्र होगा?

-मरियम का पुत्र परमेश्वर का पुत्र होगा।

10. मरियम का पुत्र परमेश्वर का पुत्र कैसे होगा?

-परमेश्वर पिता और परमेश्वर पवित्र आत्मा परमेश्वर के पुत्र और मनुष्य के पुत्र के रूप में पृथ्वी पर उद्धारकर्ता परमेश्वर को भेज रहे थे।

11. मरियम का पुत्र परमेश्वर होना था या मनुष्य?

-मैरी का पुत्र पूर्ण रूप से परमेश्वर और पूर्ण रूप से मनुष्य दोनों होगा।

12. मरियम के पुत्र का जन्म मानव पिता और माता के बीज के बिना क्यों हुआ?

-ताकि वह आदम और हव्वा के पाप के बिना पैदा हो।

-ताकि वह पाप के बिना सिद्ध पैदा हो।

13. क्या यीशु ही वह उद्धारकर्ता था जिसकी परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक, याकूब और सभी लोगों से प्रतिज्ञा की थी?

-हां।

-जकर्याह की पत्नी इलीशिबा के बच्चे को जन्म देने का समय आ गया।

आइए पढ़ें लूका 1:57-58

57-जब एलिजाबेथ के बच्चे को जन्म देने का समय आया, तो उसने एक बेटे को जन्म दिया।

58-उसके पड़ोसियों और सम्बन्धियों ने सुना कि यहोवा ने उस पर बड़ी दया की है, और वे उसके आनन्द में सहभागी हुए।

-क्या परमेश्वर ने जकर्याह और इलीशिबा को एक पुत्र देने का अपना वादा पूरा किया?

-हां।

-परमेश्वर ने जकर्याह और इलीशिबा को एक पुत्र दिया, और उन्होंने उसका नाम यूहन्ना रखा।

-जब जकर्याह के पुत्र यूहन्ना का जन्म हुआ, तो पवित्र आत्मा परमेश्वर ने जकर्याह के द्वारा बातें कीं।

आइए पढ़ें लूका 1:67-71

67-उसका पिता जकर्याह पवित्र आत्मा से भर गया और भविष्यद्वाणी की:

68-"इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति करो, क्योंकि वह आया है और अपनी प्रजा को छुड़ाया है।

69-उसने अपके दास दाऊद के घराने में हमारे लिथे उद्धार का एक सींग खड़ा किया है।

70- (जैसा कि उन्होंने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से बहुत पहले कहा था),

71- हमारे शत्रुओं से और उन सब के हाथ से जो हम से बैर रखते हैं--"

-जकर्याह क्या कह रहा था?

-जकर्याह परमेश्वर की स्तुति कर रहा था।

-जकर्याह परमेश्वर की स्तुति क्यों कर रहा था?

-जकर्याह जानता था कि परमेश्वर बहुत जल्द उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-जकर्याह जानता था कि उद्धारकर्ता आएगा और लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाएगा।

-सभी लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाने की जरूरत है।

-यही कारण है कि परमेश्वर उद्धारकर्ता को दुनिया में भेज रहे थे।

-जकर्याह को कैसे पता चला कि उद्धारकर्ता आएगा और लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाएगा?

-क्योंकि जकर्याह ने परमेश्वर की बाइबल में पढ़ा कि परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किया था।

-जकर्याह ने और क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 1:72-75

72-जकर्याह ने कहा, “हमारे पुरखाओं पर दया करने और उसकी पवित्र वाचा को स्मरण रखने के लिथे,

73- वह शपय उस ने हमारे पिता इब्राहीम से खाई;

74-हमें हमारे शत्रुओं के हाथ से छुड़ाए, और हमें निर्भय होकर उसकी सेवा करने के योग्य बनाए

75- हमारे जीवन भर उसके साम्हने पवित्रता और धार्मिकता बनी रहे।”

-जकर्याह जानता था कि परमेश्वर उद्धारकर्ता को भेजने के अपने वादे को पूरा करेगा।

-यह वह वादा था जो परमेश्वर ने कई साल पहले अब्राहम, इसहाक और याकूब से किया था।

-परमेश्वर हमेशा अपने वादे रखता है।

-परमेश्वर अपने वादों को कभी नहीं तोड़ते।

-जकर्याह ने अपने बेटे यूहन्ना के बारे में जो उससे पैदा हुआ था, क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 1:76

76-जकर्याह ने कहा, हे मेरे बालक, तू परमप्रधान का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा; क्योंकि तुम यहोवा के साम्हने उसके लिथे मार्ग तैयार करने को चलोगे।”

-जकर्याह ने कहा कि उसका बेटा यूहन्ना “परमप्रधान” का नबी होगा।

-"सबसे ऊंचा" कौन है?

-पिता परमेश्वर।

-जकर्याह के बेटे यूहन्ना को क्या काम करना था?

-जॉन उसके लिए रास्ता तैयार करने के लिए प्रभु के सामने जाएगा।

-यह परमेश्वर कौन था, जिसके सामने जॉन रास्ता तैयार करने जाता था?

-यीशु, उद्धारकर्ता परमेश्वर।

-नूह और उसके परिवार को अकेले किसने बाढ़ से बचाया?

-परमेश्वर।

-इसहाक को अकेले किसने मौत से बचाया और उसके विकल्प के रूप में एक मेढ़ा प्रदान किया?

-परमेश्वर।

-किसने अकेले इस्राएलियों को गुलामी और फिरौन के बंधन से बचाया?

-परमेश्वर।

-योना को अकेले किसने बड़ी मछली के पेट से बचाया?

-परमेश्वर।

-केवल परमेश्वर ही हमें पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचा सकता है।

-जकर्याह ने अपने बेटे जॉन के बारे में और क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 1:77

77-जकर्याह ने कहा, "अपने लोगों को उनके पापों की क्षमा के द्वारा उद्धार का ज्ञान देने के लिए।"

-जकर्याह ने कहा कि यूहन्ना लोगों को उद्धार का मार्ग दिखाएगा।

-जकर्याह ने कहा कि जॉन लोगों को उनके पापों का भुगतान करने का मार्ग दिखाएगा।

-जकर्याह ने और क्या कहा?

आइए पढ़ें लूका 1:78-79

78-जकर्याह ने कहा, हमारे परमेश्वर की कोमल दया के कारण, जिसके द्वारा उगता हुआ सूरज स्वर्ग से हमारे पास आएगा

79-अन्धकार में और मृत्यु के साये में रहने वालों पर चमकने के लिए, हमारे पैरों को शांति के मार्ग पर ले जाने के लिए। ”

-आने वाला उद्धारकर्ता उगते सूरज की तरह कैसे है?

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-एक बहुत ही अंधेरी रात, चाँद या सितारों से कोई रोशनी न होने पर, आप एक अनजान जंगल में खो जाते हैं।

-जैसे आप अंधेरे से बहुत डरते हैं, आप बेसब्री से सुबह सूरज की रोशनी आने का इंतजार करते हैं।

-जब आदम और हव्वा ने पाप किया, तो वे परमेश्वर से अलग हो गए, जो उनकी आत्मा का प्रकाश था।

-उनके पाप के कारण, उनकी आत्मा शैतान के अंधेरे में प्रवेश कर गई।

-पाप के कारण, सभी लोग शैतान के अंधेरे में जन्म लेते हैं।

-जैसे सुबह का सूरज बहुत अंधेरी रात के बाद रोशनी देता है, वैसे ही उद्धारकर्ता शैतान के अंधेरे के बाद रोशनी देने आएगा।

-दुनिया में कितने सूरज हैं?

-केवल एक।

-जैसे दुनिया में एक ही सूर्य है, वैसे ही दुनिया में एक ही उद्धारकर्ता है।

-परमेश्वर ने कितने उद्धारकर्ताओं को भेजने का वादा किया था?

-केवल एक।

-जैसे एक ही सूर्य सारे संसार को प्रकाश देता है, वैसे ही एक ही उद्धारकर्ता सभी लोगों को बचा सकता है।

-परमेश्वर ने कई उद्धारकर्ता भेजने का वादा नहीं किया।

-परमेश्वर ने केवल एक उद्धारकर्ता भेजने का वादा किया।

-जकर्याह का पुत्र यूहन्ना बड़ा हुआ, और परमेश्वर पर बहुत विश्वास किया।

आइए पढ़ें लूका 1:80

80-और बालक बड़ा होकर मन में बलवन्त होता गया; और वह इस्राएल के साम्हने प्रगट होने तक जंगल में रहा।

-यूहन्ना रेगिस्तान में तब तक रहा जब तक कि परमेश्वर ने उसे लोगों को उद्धार का मार्ग दिखाने के लिए नहीं बुलाया।